# बाबा इबके फागण आज्याईये रंग लावांगे हम भी

बाबा इबके फागण आज्याईये,
रंग लावांगे हम भी।bd।

---

राम लखन लयाणा जनक दुलारी,
जिनके बाबा तुम सो पुजारी,
एक ब दर्श करा जाईये,
रंग लावांगे हम भी,
बाबा इबके फागण आजाईये,
रंग लावांगे हम भी।bd।

---

जैसे बृज में खेलें मुरारी,
हम भी संग में,खेलां थारी,
इन भगतां क रंग लाज्याईये,
रंग लावांगे हम भी,
बाबा इबके फागण आजाईये,
रंग लावांगे हम भी।bd।

---

जब जब आव: फागण महीना,
फेर गाम आणां जाणां कहीं ना,
प्रेम रंग बरसा जाईये,
रंग लावांगे हम भी,
बाबा इबके फागण आजाईये,
रंग लावांगे हम भी।bd।

---

कप्तान शर्मा देख:नजारा,
कपिल भगत भी संग मे आरया,
कुछ आ क ज्ञान सिखा जाईये,
रंग लावांगे हम भी,
बाबा इबके फागण आजाईये,
रंग लावांगे हम भी।bd।

---

बाबा इबके फागण आज्याईये

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com